त्राराच्य शास्त्र त्र्यर्शत सर्वेदा स्वर्थ्य रहने के अचुक और परीक्षित साधन **©10** धीचे हर लेखक यज्ञ चिकित्सा के ऋाविष्कारक, द्वय चिकित्सा में दिशेष ख्याति प्राप्त, सफल श्रौर प्रसिद्ध दिशेषज्ञ 'सुखमय जीवन', 'देव यज्ञ', 'यज्ञ चिकित्सा' इत्यादि इत्यादि पुरतकों के लेखक-श्री डा० फुन्दनलाल, एम. डी., डी. एस., एल. एम. आर. ए. एस., (लन्डन) भूतपूर्व मेडिवाल ज्याक्षांसर टी० बी० सेनेटोरीयम (जवलपुर) प्रेमनगर, मूड्, बरेली। प्रकाशकः स्वास्थ्य भन्डार प्रेमनगर, भूड़, बरेली। सर्वाधिकार सुरद्तित प्रथमवार १००० | सं० २००७ वि० **然来说来** をたせたたた